सांध्य दैनिक
4PM

व्यक्ति अकेले पैदा होता है और अकेले मर जाता है और वो अपने अच्छे और बुरे कर्मों का फल खुद ही भुगतता है और वह अकेले ही नर्क या स्वर्ग जाता है।

–चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 138 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 24 जून, 2023

कांग्रेस ने 70 साल से लोकतंत्र... 2 | भाजपा और कांग्रेस ही बनेंगे... 3 | निचले स्तर की राजनीति कर रही... 7

विपक्षी एकता से भाजपा में मचा कोहराम

कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों पर कसे तंज

» भाजपाई बोले-फिर आएगी मोदी सरकार

» बोले विपक्षी दिग्गज-भाजपा सरकार की विदाई तय है विपक्ष की जय है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में शुक्रवार को विपक्ष की सफल बैठक केबाद सत्ता दल बीजेपी के खेमे में कोहराम मच गया है। पूर्व, पश्चिम, उतर, दक्षिण जहां-जहां देखो या सुनो भाजपा के छोटे से लेकर बड़ा नेता इस बैठक को बेकार व बकवास की बताने में लग गया है। भाजपा की घबराहट बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह समेत छोटे कार्यकर्ताओं के बयानों में दिख रही है। कुछ नहीं मिल रहा है तो भाजपा की सोशल मीडिया टीम विपक्षी नेताओं के एक-दूसरे पर दिए गए पूर्व बयानों को दिखाकर कांग्रेस समेत दूसरे दलों को घेर रही है। उधर विपक्ष कह रहा है सहमति बन चुकी है बीजेपी की मोदी सरकार की विदाई तय है विपक्ष की जय है। वहीं सबसे ज्यादा बीजेपी नीतीश कुमार को आड़े हाथों ले रही है।

गौरतलब हो कि भाजपा के खिलाफ साझा उम्मीदवार खड़ा करने पर प्राथमिक सहमति बन गई है। पटना में हुई विपक्षी दलों की बैठक में छोटे- बड़े पंद्रह दल शामिल हुए। हालाँकि तेलंगाना वाले केसीआर, ओडिशा वाले नवीन पटनायक और वाईएसआर कांग्रेस के वाईएस जगनमोहन रेड्डी इस बैठक में शामिल नहीं हुए। इन्हें छोड़कर कश्मीर से कन्याकुमारी तक के लगभग सभी दल बैठक में मौजूद रहे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घोषणा की है कि लोकसभा चुनाव में एक साथ लड़ने पर हम सब सहमत हो गए हैं। सीटों के बँटवारे के लिए अगली बैठक शिमला में होगी। सभी नेताओं ने माना कि हम सब के बीच भी छोटे- मोटे मतभेद कम होंगे,चूँकि यह विचारधारा की लड़ाई है, इसलिए हमें हर हाल में एक साथ बने रहना होगा।

कांग्रेस को सौंपना होगा नेतृत्व : आचार्य प्रमोद

आचार्य प्रमोद ने ये भी कहा कि विपक्षी एकजुटता का नेतृत्व कांग्रेस को सौंपा जाना चाहिए। क्योंकि कांग्रेस ही है जो सही मायने में बीजेपी का मुकाबला करने के लिए बेहतर नेतृत्व कर सकती है। क्षेत्रीय दलों में उतना दम नहीं है कि बीजेपी को सियासी मात दे सके। इसके लिए सबसे बेहतर विकल्प कांग्रेस के हाथ में नेतृत्व की बागडोर देना ही है। बातचीत के दौरान आचार्य प्रमोद कृष्णम ने विपक्षी एकता को लेकर पटना में हुई बैठक पर भी अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि विपक्षी एकता के लिए वैचारिक तालमेल बहुत जरूरी होता है। ऐसे में सबसे पहले शिवसेना को आर्टिकल 370, बाबरी मस्जिद विध्वंस और सावरकर के मुद्दे पर अपना स्टैंड क्लियर करना होगा।

बाहरी शक्ति हमें डिगा नहीं पाएगी : ममता

जवाब में ममता बनर्जी ने पटना बैठक में शामिल होने के बाद कहा- दिल्ली में हमने जितनी बैठकें कीं, विफल साबित हुईं, लेकिन पटना बैठक काफ़ी सकारात्मक रही। नीतीश कुमार के प्रयास आखिर रंग लाए। हम हर हाल में अब एक साथ चुनाव लडेंगे। कोई मतभेद या कोई बाहरी शक्ति हमें अपने लक्ष्यों डिगा नहीं पाएगी।

उद्धव भूल गए अपने पिता का अपमान : फडनवीस

भाजपा ने महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे पर बाला साहेब ठाकरे का अपमान करने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि भाजपा को हराने के लिए उद्धव ये भूल गए कि वे किसके पास जाकर बैठ रहे हैं। भाजपा ने लालू प्रसाद यादव पर शिवसेना संस्थापक बाला साहेब ठाकरे का बयान वाला एक पुराना वीडियो साझा करते हुए उद्धव पर बाला साहेब का अपमान करने का आरोप लगाया है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडनवीस ने कहा कि विपक्षी दलों के नेताओं की पटना में हो रही बैठक का मकसद परिवार बचाओ है। वंशवादी पार्टियां अपने परिवार को बचाने के लिए गठबंधन कर रही हैं। इसी तरह के प्रयास 2019 में भी किए गए थे, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। कभी व मुफ्ती पर तंज कसते थे आज उनके साथ मंच साझा कर रहे।

वर्कर खून बहा रहे, लीडर सेटिंग कर रहे : अधिकारी

बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने लिखा, पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और सीपीएम मिलकर तृणमूल की बी टीम बन जाती हैं। दिल्ली में तृणमूल और सीपीएम साथ आ जाती हैं और कांग्रेस की बी टीम बन जाती हैं। केरल में कांग्रेस बनाम सीपीएम हो जाता है। वास्तव में ये बहुत कन्फ्यूजिंग है। तो क्या ये पार्टियां पश्चिम बंगाल में एक दूसरे के खिलाफ दोस्ताना मैच खेल रही हैं, इसके साथ ही उन्होंने दो तस्वीरें भी शेयर की हैं, जिसमें एक में ममता बनर्जी और राहुल गांधी बात करते नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में ममता बनर्जी और सीताराम येचुरी एक फेंम में दिखाई दिए हैं। बेचारे कांग्रेस और सीपीएम कार्यकर्ता जमीन पर अपना खून और पसीना बहा रहे हैं। वहीं, उनके टॉप लीडर पटना में सेटिंग कर रहे हैं।

मणिपुर हिंसा पर सर्वदलीय बैठक में गृहमंत्री देंगे जानकारी

» अमित शाह करेंगे विपक्ष से बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर में बीते 50 दिनों से अधिक हो रही हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। पुलिस, असम राइफल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की तमाम कोशिशों के बावजूद मैतेई-कूकी समुदाय के बीच जातीय संघर्ष रूक नहीं रहाहै। इस मसले पर केंद्र सरकार ने बीते दिनों सर्वदलीय बैठक बुलाई थी।

यह बैठक आज यानी शनिवार (24 जून) को गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में दिल्ली में संपन्न होगी। इस बैठक में केंद्र सरकार, हिंसा और उसकी वजहों के बारे में सभी दलों के नेताओं को ब्रीफ करेंगे। और इससे जुड़े मुद्दों पर सरकार का सहयोग करने की भी अपील कर सकते हैं। हालांकि इतने दिनों बाद हुई इस बैठक को लेकर सभी विपक्षी दल सरकार पर निशाना साध रहे हैं, और उनसे देरी की वजह पूछ रहे हैं।

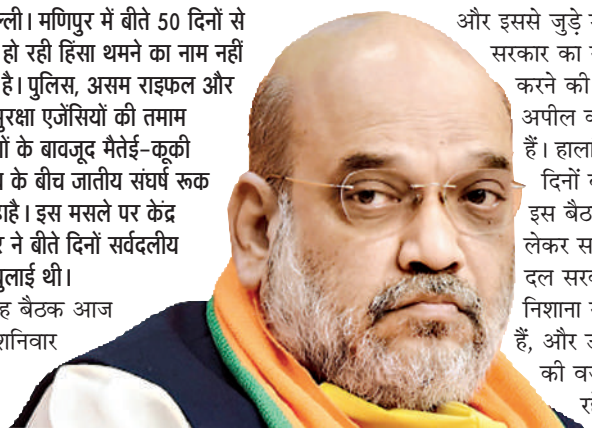

प्रधानमंत्री के लिए यह बैठक महत्वपूर्ण नहीं : राहुल

राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''मणिपुर 50 दिनों से जल रहा है, मगर प्रधानमंत्री मौन रहे। सर्वदलीय बैठक तब बुलाई गई जब प्रधानमंत्री खुद देश में नहीं हैं। साफ है, प्रधानमंत्री के लिए यह बैठक महत्वपूर्ण नहीं है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक वीडियो जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री अमेरिका में हैं, लेकिन वह मणिपुर के बारे में खामोश हैं। उन्होंने मणिपुर के नेताओं से मुलाकात करने से मना कर दिया। हिंसा के 51 दिन बीत जाने के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है।

पीएम की चुप्पी पर विपक्ष को ऐतराज

इस बैठक को लेकर विपक्षी पार्टी के नेताओं ने लोगों के सामने अपना पक्ष रखा है। कांग्रेस ने कहा था कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर हैं तो ऐसे समय में मणिपुर के मामले पर सर्वदलीय बैठक बुलाए जाने का क्या मतलब है। मुख्य विपक्षी दल ने मणिपुर में हिंसा पर प्रधानमंत्री की 'चुप्पी' और इस बैठक के इंफाल के बजाय दिल्ली में होने को लेकर भी सवाल किए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मणिपुर पर सर्वदलीय बैठक प्रधानमंत्री मोदी के लिए महत्वपूर्ण नहीं है।

हिंसा जारी : भीड़ ने मंत्री का गोदाम फूंका

मणिपुर। मणिपुर में भीड़ ने राज्य सरकार में मंत्री एल सुसींद्रो के इंफाल पूर्वी जिले के चिनगारेल स्थित निजी गोदाम में आग लगा दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। भीड़ ने उपभोक्ता एवं खाद्य मामलों के मंत्री सुसींद्रो के इसी जिले के खुरई इलाके में स्थित आवास और अन्य संपत्तियों को भी शुक्रवार रात आग के हवाले करने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बलों के वक्त पर पहुंचकर उन्हें रोक दिया। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बलों ने आधी रात तक आंसू गैस के कई गोले

दागे, ताकि भीड़ को मंत्री के खुरई स्थित आवास का घेराव करने से रोका जा सके। घटना में किसी के भी हताहत होने की जानकारी नहीं है।

पीडीए को और मजबूत करेंगे : अखिलेश

विपक्षी बैठक के बाद बोले- जोड़ेंगे सहयोगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार की राजधानी पटना में विपक्षी एकता की बैठक में भाग लेने के बाद अब समाजवादी पार्टी अध्यक्ष पिछड़ा दलित एलायंस को मजबूत बनाने पर जोर दे रहे हैं। बैठक के बाद सपा प्रमुख उत्साहित हैं वह अब और सक्रिय होकर यूपी में अपनी पार्टी को भाजपा के खिलाफ तैयार करेंगे। इसलिए वे कई सहयोगियों को साथ जोड़ने को इच्छुक दिख रहे हैं। विपक्षी एकता की बात करने वाले अखिलेश के यूपी में विपक्ष को एकजुट करने का प्रयास किए जाने की बात कही जा रही है।

इसकी सिलसिले में सपा मुखिया प्रदेश में संगठन को और मजबूती देनें को तैयार। पूर्व सीएम ने अपने वरिष्ठ नेताओं को बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं के पास जाने को कहा है उन्होंने कहा कि लोक सभा चुनाव के लए अभी से तैयारी में जुट जाएं। उन्होंने कहा भाजपा सरकार के झूठे वादों से जनता परेशान है वह अब इसको हटाना चाहती है। उत्तर प्रदेश ये इसबार भाजपा की विदाई तय है।

पटना में राजनीतिक पर्यटन पर गए थे अखिलेश : केशव

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव प्रदेश में अकेले पड़ गए हैं। उनके सहयोगी रालोद के अध्यक्ष जयंत चौधरी या उनका प्रतिनिधि बैठक में शामिल नहीं हुआ। मौर्य ने कहा कि अखिलेश को खुद पता नही कि वह पटना में राजनीतिक पर्यटन पर गए है या राजनीति के लिए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी यूपी में कांग्रेस को मनमाफिक सीटें देने को तैयार नहीं है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि विपक्षी दलों के महागठबंधन के लिए शुक्रवार को पटना में आयोजित बैठक बेनतीजा रही है। उन्होंने कहा कि बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हुई बैठक में खोदा पहाड़ निकली चुहिया वाली कहावत चरितार्थ हुई है। बैठक में शामिल दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री पद पर खुद की दावेदारी को नहीं छोड़ा। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में उप मुख्यमंत्री ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को 300 और एनडीए को 400 लोकसभा क्षेत्रों में जीत मिलेगी। उन्होंने कहा नोट के बदले वोट ट्रांसफर करती है मायावती। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बसपा सुप्रीमो मायावती का काम तो नोट के बदले वोट ट्रांसफर करना है। उन्होंने कहा कि मायावती पैसे लेकर वोट दिलाने का काम करती है।

अध्यादेश पर साथ दें तभी समर्थन : आप

पटना में 2024 के आम चुनाव के मद्देनजर बेशक 15 विपक्षी दलो की बैठक के बाद आम आदमी पार्टी ने चेतावनी दी है कि केंद्र सरकार के अध्यादेश का अगर कांग्रेस सार्वजनिक तौर पर विरोध नहीं करती तो गठबंधन के साथ जाना उसका संभव नहीं होगा। इस सूरत में आप ऐसे किसी भी गठबंधन का हिस्सा नहीं होगी, जिसमें कांग्रेस शामिल हो। आप ने दिल्ली में बयान जारी कर कहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए पटना में 15 विपक्षी राजनीतिक दलों की बैठक हुई। इनमें से 12 का प्रतिनिधित्व राज्यसभा में है। कांग्रेस को छोड़कर दूसरे सभी 11 दलों भरोसा दिया कि वह केंद्र सरकार की ओर से दिल्ली के लिए लाए गए अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग से जुड़े अध्यादेश के खिलाफ हैं। राज्यसभा में वह अध्यादेश का विरोध करेंगी।

कांग्रेस ने 70 साल से लोकतंत्र को बचा कर रखा : गहलोत

» सीएम ने पीएम को घेरा, 25 सांसद, ईआरसीपी को नहीं मिला राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भरतपुर। ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरा। कांग्रेस ने 70 साल से लोकतंत्र को बचा कर रखा है और बीजेपी के जल मंत्री समेत 25 सांसद मिलकर ईआरसीपी को नहीं दिला पाए राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा। इंदिरा गांधी ने अपनी जान दे दी, लेकिन खालिस्तान नहीं बनने दिया। मुख्यमंत्री ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) को लेकर भरतपुर वासियों से कहा कि आपने बीजेपी के 25 सांसद जिताए, उनमें एक पानी का मंत्री भी है, लेकिन ईआरसीपी को ये राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं दिला पाए। भरतपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का छह महीने में यह छठा दौरा है।

भरतपुर के कुम्हेर इलाके के सैंत गांव में उन्होंने महंगाई राहत शिविर का दौरा किया और जनसभा को संबोधित किया। जनसभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है और यहां पानी की उपलब्धता सिर्फ एक परसेंट है। हमने शिक्षा में कोई कमी नहीं रखी। जब मैं पहली बार सीएम बना तो प्रदेश में छह यूनिवर्सिटी थीं, अब 96 हैं। अब स्कूल खुल गए हैं। प्राइमरी, मिडिल और सीनियर सेकेंडरी स्कूल खुले हैं। इंग्लिश स्कूल खोले गए हैं, जिसमें तीन लाख बच्चे पढ़ रहे हैं। बच्चे विदेश जाएंगे तो कुछ बन जाएंगे।

सभी 25 हारें तो अक्ल आएगी

ईआरसीपी पर केंद्र सरकार को घेरा मुख्यमंत्री ने कहा कि ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट पर पीएम अभी तक नहीं कर पाए हैं। मोदी जी वादा निभाएं, यह राष्ट्रीय परियोजना घोषित होनी चाहिए। आप सब लोग दबाव बनाएंगे तो ईआरसीपी को लागू करना पड़ेगा। बीजेपी के 25 सांसद हैं। एक जल मंत्री हैं। सभी 25 सांसद साथ खड़े हो जाएं तो क्या पीएम परियोजना लागू नहीं करेंगे। हमारे 25 वकील कमजोर साबित हो रहे हैं। सभी 25 हारें तो अक्ल आएगी। ये 25 वकील पैरवी नहीं कर पा रहे हैं। लोकसभा से पहले विधानसभा चुनाव आएगा, तब इन्हें सबक सिखाओ। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार अग्निवीर योजना लेकर आई है, जिसमें 18 साल में भर्ती होगी और 22 साल में युवा घर बैठ जाएंगे। 22 साल के लाखों बच्चे क्या करेंगे, इससे असंतोष पैदा होगा, यह केंद्र सरकार खतरनाक खेल खेल रही है, जो समझ से परे है।

प्रधानमंत्री मोदी भ्रम फैलाने का काम करते हैं

मनमोहन सिंह के यूपीए सरकार जितनी आमदनी छोड़कर गई थी, अब बीजेपी ने वह भी नहीं छोड़ी। राहुल गांधी ने बिहार से एलान किया है सभी स्टेट में बीजेपी का सूपड़ा साफ होगा। बीजेपी के नेता और मोदी भ्रम फैलाने का काम करते हैं, केंद्र की एजेंसी से कोई भी जांच करवा लो कांग्रेस पाक साफ निकलेगी। मंत्री सुभाष गर्ग ने इस दौरान राजस्थान में इलेक्शन को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि राजस्थान में एंटी इंकम्बेंसी नहीं है। कांग्रेस सरकार रिपीट होगी।

चुनाव से पहले बने न्यूनतम साझा कार्यक्रम : स्टालिन

बोले-सबका एक संकल्प 2024 के लोस चुनाव में भाजपा को हराना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि पटना में विपक्षी दलों की बैठक में प्रधानमंत्री पद के साझा उम्मीदवार को लेकर फैसला नहीं हुआ, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए सभी लोकतांत्रिक ताकतों को एकजुट करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि चुनाव के बाद कोई गठबंधन नहीं होना चाहिए, बल्कि एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर सहमति बननी चाहिए और जहां आवश्यक हो, साझा उम्मीदवार उतारे जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि बैठक में भाग लेने वाले सभी दलों का स्पष्ट मत था कि भाजपा को दोबारा जीतने का मौका नहीं देना चाहिए। पटना से लौटने के बाद स्टालिन ने कहा कि मैंने इस बात पर जोर दिया कि दलों को भाजपा को हराने के अपने लक्ष्य पर दृढ़ रहना चाहिए। अपने दौरे के बारे में स्टालिन ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने राज्य में प्रभाव रखने वाली पार्टी के नेतृत्व में गठबंधन बनाने का सुझाव दिया और अगर ऐसा संभव नहीं होता है, तो सीट बंटवारे पर विचार किया जा सकता है।

धार्मिक स्थलों को तोड़ने का आदेश वापस लें एलजी : आतिशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मंडावली में शिव मंदिर की रेलिंग तोड़ने को लेकर दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र लिखा है। इसमें धार्मिक स्थल को तोड़ने पर रोक लगाने को कहा। मंत्री ने पत्र में कहा कि उन्हें पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से 14 धार्मिक स्थलों, जिसमें 11 मंदिर व तीन मजार के तोड़ने का पत्र मिला है।

इनको तोड़ने का प्रस्ताव तत्कालीन गृह मंत्री मनीष सिसोदिया के पास रिलीजियस कमेटी के जरिए आया था, उस दौरान भी मनीष सिसोदिया ने विरोध जताया था। उन्होंने कहा था कि मंदिर तोड़ने के बदले प्रोजेक्ट्स का नक्शा बदल देना चाहिए। आतिशी ने कहा कि मंदिरों व अन्य धार्मिक स्थलों के साथ लोगों की आस्था जुड़ी होती है। उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि धार्मिक स्थलों को तोड़ने का फैसला वापस लिया जाए।

फिर चढ़ गई काठ की हांडी : शिवराज

पटना। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी के दावे पर तंज भरा ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा कि सुना है पटना में फिर काठ की हांडी चढ़ी है...। बैठक से पहले कांग्रेस के नंबर एक नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा हिंदुस्तान को तोड़ने का काम कर रही है। नफरत और हिंसा फैलाने का काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस देश को जोड़ने का काम कर रही है। मोहब्बत बांटने का काम करती है, क्योंकि नफरत को नफरत से नहीं काटा जा सकता है। हम सब एक साथ मिलकर लड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांध के इसी दावे को लेकर एमपी के सीएम शिवराज ने तंज भरा ट्वीट किया है।

'2024 में भाजपा की हार तय'

» सत्यपाल मलिक की विपक्षी नेताओं को सलाह-सच का डटकर करें मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। लोकसभा चुनाव 2024 और विपक्षी एकता को लेकर देशभर में जारी सियासी गहमागहमी के बीच जम्मू और कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने एक बार फिर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि मैं तो सभी नेताओं से कह रहा हूं कि आपको ईडी और सीबीआई से घबराने की जरूरत नहीं है। सच का डटकर मुकाबला कीजिए। लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी की हार तय है। बीजेपी सरकार आगामी चुनाव में नहीं बचेगी। फिर मोदी जी और उनके सहयोगियों की जांच करवा लेना। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने आगे कहा कि केंद्र सरकार के इन एजेंसियों का आप अभी बहादुरी से सामना कीजिए। छह माह बाद इनकी हार तय है, उसके बाद अधिकारियों को भी लग जाएगा कि अब चला चली का बेला आ गया है, इसलिए कुछ करने की जरूरत नहीं है, उसके बाद सत्ता में बैठे बीजेपी वालों की ही जांच हो जाएगी, मीडिया की ओर से यह पूछने पर कि किसकी जांच तो, उन्होंने जवाब दिया कि पीएम नरेंद्र मोदी की और उनके सहयोगियों की।

बालियान बीजेपी छोड़कर सरवाइव कर दिखाएं

वहीं 22 जून को सत्यपाल मलिक ने केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान को लेकर पूछे एक सवाल के जवाब में विवादित बयान देते हुए कहा कि उनके परिवार को थाने में मैंने कई बार छुड़वाया है, यदि संजीव बालियान में हिम्मत है तो वो पार्टी छोड़कर सरवाइव कर दिखाएं, यहां इस बात का जिक्र कर दें कि हाल ही में संजीव बालियान ने मलिक को लेकर कहा था कि उन्होंने ऐसी कोई भी पार्टी नहीं छोड़ी है जिसमें वह न गए हों,उन्हें राज्यपाल पद पर रहते हुए पुलवामा को लेकर आवाज उठानी चाहिए थी।

भाजपा और कांग्रेस ही बनेंगे धूरी

2024 लोक सभा चुनाव की बिछी बिसात

» क्षेत्रीय पार्टियों पर बढ़ेगा दबाव
» बढ़ रही है राहुल सर्वमान्यता
» मोदी-शाह को करनी होगी कड़ी मेहनत
» छोटे दलों को चाहिए बड़ों का साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आज पटना में विपक्ष का महाबैठक हुई। लगभग 15 से ज्यादा दल इसमें शामिल हुए। सभी का मकसद 2024 में लोक सभा सीटों पर बढ़त लेकर सत्ता में आना और मोदी सरकार की विदाई करना। जिस तरह से वह एकजुट हो रहे हैं उससे कुछ उम्मीद तो है कि वे कामयबा हो सकते हैं। हालांकि जानकारों का मानना है कि अगर भाजपा से नाराज चल रहे एनडीए के कुछ दलों को भी विपक्ष अपनी ओर कर ले तो अगला चुनाव जीतना उसके लिए आसान हो सकता है। ऐसा होगा अभी इसपर कुछ बोलना जल्दबाजी होगा। पर जिस तरह से विपक्ष ने सक्रियता दिखाई उसके बाद से बीजेपी के खेमें में बेचैनी बढ़ गई तभी तो उसके नेता कांग्रेस समेत नीतीश, केजरीवाल पर हमले कर रहे हैं। खैर आगे क्या होगा ये तो जनता जनार्दन ही जाने पर इसमे कोई शक नहीं कि आगामी चुनाव बहुत ही दिलचस्प और कांटे का होने वाला है।

भाजपा जैसे-जैसे मजबूत हो रही है वैसे-वैसे ही एनडीए गठबंधन कमजोर होता जा रहा है। वहीं जहां-जहां कांग्रेस मजबूत हो रही क्षेत्रीय पार्टियों की स्थिती कमजोर हो रही है। कर्नाटक जीत के बाद कांग्रेस उत्साह में है ऐसे में हो दूसरे दलों पर दबाव बना सकती है। भाजपा अपने अधिकांश पुराने साथियों की एनडीए से विदाई कर चुकी हैं। मगर 2024 के लोकसभा चुनाव में संघर्ष कड़ा होता देख भाजपा को फिर से एनडीए के साथियों की याद आने लगी है। इसीलिये भाजपा फिर अपने पुराने साथियों को एनडीए में लाने का प्रयास कर रही है। लेकिन भाजपा की फितरत से वाफिक दल शायद ही फिर एनडीए में लौटें। फिलहाल तो ऐसा ही लग रहा है।

कांग्रेस को सत्ता से हटाने के लिए बना था एनडीए

कांग्रेस को सत्ता से हटाने के लिए अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, बालासाहेब ठाकरे, जॉर्ज फर्नांडीस, शरद यादव, नवीन पटनायक, चंद्रबाबू नायडू, जे. जयललिता, प्रकाश सिंह बादल, शिबू सोरेन, ममता बनर्जी और प्रमोद महाजन जैसे दिग्गज नेताओं ने एनडीए का गठन किया था। 1998 में कांग्रेस से मुकाबला करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस विरोधी राजनीतिक दलों को एक छतरी के नीचे लाने के लिए अटल बिहारी वाजपेयी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का गठन किया था। जॉर्ज फर्नांडिस को इसका संयोजक बनाया गया था। 1998 के लोकसभा चुनाव से पूर्व गठित एनडीए में शामिल 16 दलों ने मिलकर चुनाव लड़ा और केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में सरकार बना ली थी। जो मात्र एक साल बाद ही अन्नाद्रमुक के समर्थन वापस लेने से गिर गई थी।

कुछ दल फिर भाजपा से जुड़ने को तैयार

तेलुगू देशम पार्टी, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की जनता दल (सेकुलर), बिहार में उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक समता पार्टी, हरियाणा जनहित कांग्रेस, तमिलनाडु की डीएमडीके, बिहार में जीतन राम मांझी व ओपी राजभर की सुभासपा फिर बीजेपी की और झुक गई हैं। अरुणाचल प्रदेश, असम, गुजरात, गोवा, हरियाणा, मध्य प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड में भाजपा के मुख्यमंत्री हैं। वहीं सिक्किम में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के प्रेम सिंह तमांग, नागालैंड में नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के नेफ्यू रियो, मेघालय में नेशनल पीपुल्स पार्टी के कानराड संगमा, महाराष्ट्र में शिवसेना (शिंदे) गुट के एकनाथ शिंदे, पुडुचेरी में अखिल भारतीय एनआर कांग्रेस के एन रंगास्वामी मुख्यमंत्री हैं।

2019 में बिखरा एनडीए

2019 के लोकसभा चुनाव के बाद शिरोमणि अकाली दल, जनता दल (यूनाइटेड), शिवसेना, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी जैसे कई दलों ने भाजपा का साथ छोड़ दिया है। एनडीए छोड़ने वाले सभी दलों ने भाजपा नेतृत्व पर आरोप लगाया कि वह अपनी मनमानी करता है। एनडीए गठबंधन नाम मात्र का रह गया है। सारे फैसले भाजपा नेतृत्व ही करता है। 2019 में शिवसेना ने एनडीए में भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। मगर बाद में राज्य विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री के पद को लेकर विवाद होने के बाद शिवसेना ने एनडीए छोड़कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी व कांग्रेस के साथ मिलकर महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी बनाकर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में सरकार बना ली। हालांकि भाजपा ने शिवसेना में ही फूट डलवा कर एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनवा दिया। इसी तरह बिहार में मुकेश साहनी की वीआईपी पार्टी के तीनों विधायकों को तोड़कर भाजपा में विलय करा लिया। उत्तर प्रदेश में भी ओमप्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी एनडीए से बाहर निकल गई थी। कभी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की द्रमूक, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की बीजू जनता दल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस, चंद्रशेखर राव की तेलंगाना राष्ट्र समिति, दूर जा चुकी है।

कईयों ने छोड़ा भाजपा का साथ

कहने को तो केंद्र में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन की सरकार चल रही है। मगर सरकार में शामिल दलों की सूची देखें तो एनडीए के नाम पर इक्का-दुक्का छोटे दलों को छोड़कर कोई भी बड़ी पार्टी केंद्र सरकार में शामिल नहीं है। कभी देश के अधिकांश बड़े दल एनडीए का हिस्सा होते थे। मगर आज स्थिति उसके उलट हो गई है। अब एनडीए नाम मात्र का रह गया है। 1999 में फिर अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी जो 2004 तक चली थी। गठन के समय एनडीए में छोटे-बड़े कुल 16 राजनीतिक दल शामिल थे। 1999 के चुनाव में 21 दल, 2004 में 12 दल, 2009 में 8 दल, 2014 में 23 दल व 2019 में 20 राजनीतिक दल एनडीए में शामिल होकर एक साथ चुनाव लड़े थे। मगर अब एनडीए की स्थिति बहुत कमजोर हो गई है। एनडीए में शामिल अधिकांश बड़े राजनीतिक दल भाजपा से गठबंधन तोड़ कर अलग हो गए हैं। वर्तमान समय में एनडीए में छोटे बड़े मिलाकर कुल 13 राजनीतिक दल शामिल हैं। जसिमें भी बहुत-सी पार्टियां नाम मात्र की ही हैं। एनडीए के कुनबे की बात करें तो इसमें भाजपा के अलावा अपना दल (सोनेलाल), ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन, नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी, नेशनल पीपुल्स पार्टी, मिजो नेशनल फ्रंट, नागा पीपुल्स फ्रंट, लोक जनशक्ति पार्टी, शिवसेना (शिंदे), सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, अखिल भारतीय एनआर कांग्रेस, अन्नाद्रमुक, पीएमके, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) जैसी पार्टियां शामिल हैं।

इमरजेंसी के बाद संजय गांधी को लगा था झटका

» कांग्रेस को सत्ता से जनता ने किया बेदखल
» कई दलों से मिलकर 1977 में बनाई सरकार
» पांच सूत्री कार्यक्रम पर जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 1975 में इमरजेंसी खत्म हो गई थी। 1977 में देश में आम चुनावों का ऐलान कर दिया गया। कांग्रेस के खिलाफ जबर्दस्त लहर चल रही थी। कई पार्टियों और विचारधाराओं के लोगों ने मिलकर जनता पार्टी बनाई थी। इमरजेंसी की यातनाओं से पीड़ित लोग कांग्रेस को उसके किए की सजा देने के लिए आतुर थे। पिछले दो सालों तक सत्ता के अनधिकारिक केंद्र बन चुके संजय गांधी को फिर भी उम्मीद थी कि पूरा देश भले ही खिलाफ हो जाए, उनकी अमेठी के लोग उनका साथ नहीं छोड़ेंगे।

अमेठी कांग्रेस की सबसे सुरक्षित सीट थी और साल 1967 से अस्तित्व में आने के बाद कांग्रेस के टिकट पर लड़ने वाले हर शख्स ने यहां से चुना जीता था।

जनता से हाथ जोड़े मिले

साल 1977 में फिर से चुनावों की घोषणा हुई। जो संजय गांधी इमरजेंसी में हुकुम चला रहे थे, अब जनता के सामने हाथ जोड़कर वोट मांग रहे थे। सिर्फ वही नहीं, कांग्रेस की पूरी मशीनरी अपने नेता को चुनाव जितवाने के काम में लग गई थी। बाहुबली पहुंचे, प्रशासन कंट्रोल में था। संजय गांधी के पक्ष में प्रचार से पूरी इलाका पटा पड़ा था। कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता अमेठी पहुंचने लगे। संजय गाँधी के समर्थन के लिए और विपक्ष के प्रचार को कमजोर करने के लिए दारा सिंह को बुलाया गया।

संजय गांधी के पांच सूत्री कार्यक्रम थे, जिनमें परिवार नियोजन में होने वाली प्रताड़ना की चर्चा आज तक की जाती है।

संजय गांधी के खिलाफ लड़े थे रवींद्र प्रताप

दारा सिंह की जनसभा में ऐसा विरोध हुआ कि गुस्से में खुद उन्होंने किसी सिपाही की लाठी उठा ली थी। संजय गांधी के प्रति सहानुभूति बटोरने के लिए कई जतन किए गए। इन सारे यत्नों के बाद भी संजय गांधी के खिलाफ लोगों के मन में जो गुस्सा था वो शायद कम न हो पाया। कांग्रेस के इस कद्दावर नेता और प्रधानमंत्री के बेटे के खिलाफ खड़े थे, आपातकाल के विरोधी सेनानी रवींद्र प्रताप सिंह। वह जनसंघ के तेजतर्रार नेता थे और जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे थे।

मतगणना केंद्र से निराश निकले संजय

हालांकि, आपातकाल के बाद के इस चुनाव में किसी पार्टी से कोई मतलब नहीं था। लोगों ने एकमत होकर कांग्रेस विरोधी वोट डाले। संजय गांधी को सिर्फ 1 लाख 503 वोट मिले। कहा जाता है कि मतदान के दौरान बूथलूट की भी घटनाएं प्रकाश में आई थीं। संजय गांधी के प्रतिद्वंदी जनता पार्टी के उम्मीदवार रवींद्र प्रताप सिंह को 1 लाख 76 हजार वोट मिले। बताते हैं कि मतगणना के बीच से ही सुलतानपुर कलेक्ट्रेट से जब संजय गांधी बाहर निकले, उनके चेहरे पर हार की निराशा साफ झलक रही थी। अमेठी में ऐसा पहली बार हो रहा था, जब कांग्रेस के टिकट पर किसी उम्मीदवार की हार हो गई थी।

इसके अलावा श्रमदान, वृक्षारोपण, प्रौढ़ शिक्षा और दहेज उन्मूलन जैसे कार्यक्रम भी उनकी योजना में शामिल थे। छोड़ो आराम जवानों के नारों के साथ अमेठी संजय गांधी के श्रमदान की प्रयोगशाला बना हुआ था। इसी दौरान अमेठी में नसबंदी का विरोध करने वाले लोगों पर गोलीबारी हुई। पुलिस की जांच में वहां 9 मौतों की पुष्टि हुई। इस छोटे से समयांतराल में संजय गांधी की छवि अमेठी में किसी विलेन की तरह की बन गई थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नकली दवाओं पर जरूरी है सख्ती

हिमाचल प्रदेश में अब तक 26 कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा चुका है। वहीं, 11 कंपनियों पर स्टॉप प्रोडक्शन ऑर्डर लागू है और दो फार्मा कंपनियों को बंद किया जा चुका है। विदेशों में भारतीय दवाइयों पर सवाल उठने के बाद से डीसीजीआई और स्टेट ड्रग रेगुलेटर ने प्रोडक्ट की गुणवत्ता परखने को लेकर इंस्पेक्शन अभियान तेज़ किया गया है।

भारत में नकली दवाओं का व्यापर बहुत बढ़ गया है। उसे समय-समय पर निगरानी में लेना जरूरी है इसी के मद्देनजर सरकार ने सख्ती करना शुरू कर दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय देश में बन रही नकली दवाओं को लेकर बेहद सख्त नजर आ रहा है। पिछले 6 महीनों में देश की 134 दवा कंपनियों का निरीक्षण किया गया और सबसे बड़ी कारवाई हिमाचल प्रदेश में हुई है। हिमाचल प्रदेश में अब तक 26 कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा चुका है। वहीं, 11 कंपनियों पर स्टॉप प्रोडक्शन ऑर्डर लागू है और दो फार्मा कंपनियों को बंद किया जा चुका है। विदेशों में भारतीय दवाइयों पर सवाल उठने के बाद से डीसीजीआई और स्टेट ड्रग रेगुलेटर ने प्रोडक्ट की गुणवत्ता परखने को लेकर इंस्पेक्शन अभियान तेज़ किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि भारत नकली दवाओं के मामले में 'कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति का पालन करता है।

तीन अलग-अलग चरणों में अब तक कई दवा कंपनियों का इंस्पेक्शन किया गया है। इसमें मानक गुणवत्ता वाली दवा का प्रोड्यूस नहीं करने का जिन कंपनियों का पिछले तीन साल का रिकॉर्ड था, राज्यों से उन कंपनियों के नाम का डेटा बनाये को कहा गया है। इनमें वो कंपनियां शामिल की गईं, जिन्होंने 2019- 22 के दौरान 11 से ज़्यादा बार एनएसक्यू में फेल रहीं। मानक गुणवत्ता वाली दवा के परीक्षण में फैल रही कंपनियों में उत्तराखंड में 22, मध्यप्रदेश में 14,गुजरात में 9,दिल्ली में 5,तमिलनाडु में 4पंजाब में 4,हरियाणा3,राजस्थान 2,कर्नाटक मे 2 शामिल है। पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, पुडुचेरी, केरल, जम्मू, सिक्किम, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश में 1-1 दवाई कंपनियों का इंस्पेक्शन किया गया है। खांसी रोकने के लिए भारत निर्मित सीरप के कारण कथित मौतों के बारे में कुछ हलकों में चिंता व्यक्त किए जाने के बाद 71 कंपनियों को 'कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और उनमें से 18 को बंद करने को कहा गया है। बता दें कि भारत ने 2022-23 में 17.6 अरब अमेरिकी डॉलर के कफ सीरप का निर्यात किया, जबकि 2021-22 में यह निर्यात 17 अरब अमेरिकी डॉलर का था, कुल मिलाकर, भारत वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा प्रदाता है, जो विभिन्न टीकों की वैश्विक मांग का 50 प्रतिशत से अधिक, अमेरिका में लगभग 40 प्रतिशत जेनेरिक मांग और ब्रिटेन में लगभग 25 प्रतिशत दवाओं की आपूर्ति करता है। भारत के कई राज्यों के स्वास्थ्य विभाग भी समय-समय पर ऐसी कार्रवाई करते रहते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जुझारू जज्बे से तलवार की रानी बनी भवानी

नरेंद्र कुमार

करीब दो साल पहले वह ओलंपिक में पदक नहीं ला पाई थीं। इस बार भी फाइनल मुकाबले तक जाते-जाते अटक गयीं। लेकिन इस युवती ने देश का दिल जीत लिया। दिल क्यों न जीते, आखिर इतिहास जो रचा है। तलवारबाजी में। प्रतियोगिता हुई चीन में। इनका नाम है भवानी देवी। पूरा नाम चडलावदा आनंद सुंदरारमन भवानी देवी है। तलवारबाज भवानी देवी पिछले दिनों चीन के वुक्सी में कांस्य पदक जीतकर एशियाई फेंसिंग चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय फेंसर बनीं। उन्होंने सेमीफाइनल में हार के बावजूद कांस्य पदक जीता। यह इस प्रतियोगिता में भारत का अब तक का पहला पदक है। सेमीफाइनल में भवानी को उज्बेकिस्तान की जेनाब डेयिबेकोवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 14-15 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत के लिए पहला पदक सुनिश्चित किया।

भवानी ने क्वार्टर फाइनल में गत विश्व चैंपियन जापान की मिसाकी एमुरा को 15-10 से हराकर उलटफेर किया था। मिसाकी के खिलाफ यह भवानी की पहली जीत थी। इससे पहले उन्होंने जापान की खिलाड़ी के खिलाफ अपने सभी मुकाबले गंवाए थे। भवानी को राउंड ऑफ 64 में बाई मिली। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। भारतीय खिलाड़ी ने प्री-क्वार्टर फाइनल में उलटफेर करते हुए तीसरी वरीयता प्राप्त ओजाकी सेरी को 15-11 से हराया। इससे पहले टोक्यो ओलंपिक में भारत के लिए मेडल न ला पाने के बाद देशवासियों से भवानी ने माफी मांगी। उनकी माफी और उनके अद्भुत खेल ने लोगों का दिल जीत लिया। भारत की बेटी को पूरे देश ने सपोर्ट किया। उसी सपोर्ट और भवानी की मेहनत का प्रतिफल है कि आज वह चीन में शान से तलवार लहराकर आई हैं। भवानी का जन्म 27 अगस्त, 1993 को चेन्नई में हुआ। उनके पिता का नाम सी आनंद सुंदरारमन है। वे एक मंदिर में पुजारी हैं। उनकी माता का नाम सीए रमाणी है। भवानी पांच भाई-बहन हैं।

वह सबसे छोटी हैं। उन्होंने अपने गृह नगर से शुरुआती प ?ई की। उन्होंने मुरुगा धनुष्कोडी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल से 12वीं और सेंट जोसेफ इंजीनियरिंग कॉलेज से डिग्री हासिल

की। उन्होंने वर्ष 2004 में अपने खेल करिअर की शुरुआत की। जब इस खेल में आईं तो उनके कोच ने उन्हें बताया कि यह काफी महंगा खेल है। लेकिन उन्होंने इस बात की चिंता नहीं की। शुरुआत में भवानी के लिए तलवारबाजी का साजो-सामान खरीदना काफी मुश्किल हो गया। उन्होंने पहले बांस की स्टिक से अभ्यास शुरू किया। बाद में धीरे-धीरे तलवारबाजी का साजो-सामान खरीदा। दसवीं पास करने के बाद वे केरल के थालास्सेरी में भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में चली गईं। 14 साल की उम्र में वह तुर्की में अपने पहले अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में दिखाई दीं, जहां उन्हें तीन मिनट देर से आने के लिए ब्लैक कार्ड मिला। वर्ष 2009 में भवानी देवी ने मलेशिया में कांस्य पदक की जीत के साथ अपने अंतर्राष्ट्रीय खेल करिअर की शुरुआत की। इसके बाद, वर्ष 2010 में फिलीपींस में एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लिया और कांस्य पदक जीत कर देश का मान बढ़ाया। इस दौरान न उनकी मेहनत रुकी और न ही पदक जीतने का सिलसिला। उनकी कामयाबी का दौर जारी रहा। वर्ष 2012 में जर्सी कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में उन्होंने रजत और कांस्य पदक जीते। उन्होंने कई बार हार का भी सामना किया। लेकिन कहते हैं ना कि योद्धा कभी हार नहीं मानते। भवानी ने भी नहीं मानी। वर्ष 2014 में फिलीपींस में अंडर 23 वर्ग में एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीत कर ऐसा करने वाली वे पहली भारतीय महिला बनीं। उनकी इस उपलब्धि पर तमिलनाडु की तत्कालीन मुख्यमंत्री जे जयललिता भी प्रभावित हुईं। उन्होंने भवानी को वित्तीय सहायता के रूप में अमेरिका में प्रशिक्षण के लिए तीन लाख रुपये देकर सम्मानित किया। वर्ष 2015 में मंगोलिया में अंडर-23 एशियन चैंपियनशिप और 2015 में फ्लेमिश ओपन जीता।

वर्ष 2015 में वे राहुल द्रविड़ एथलीट मेंटरशिप प्रोग्राम के लिए 'गो स्पोर्ट्स फाउंडेशन' के लिए चुनी गईं। भवानी देवी ने जर्सी में हुई 2012 कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप और 2014 में इटली में हुए टस्कनी कप में स्वर्ण पदक जीते। वह रेकजाविक में आयोजित वाइकिंग कप 2016 आईसलैंडिक इंटरनेशनल सेबर टूर्नामेंट में पांचवें स्थान पर रहीं। उन्होंने वर्ष 2018 में कैनबेरा में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने अजरबैजान की बश्ता अन्ना से हारने के बाद बेल्जियम के गेन्ट में 2019 टूरनोई सैटेलाइट फेंसिंग प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। वर्ष 2021 में उन्होंने टोक्यो आलंपिक में हिस्सा लिया, लेकिन देश को कोई पदक नहीं दिला पाईं। विदेश में ट्रेनिंग पर जाने के लिए उन्हें स्पॉन्सर नहीं मिले।

अभिशप्त जीवन से मुक्ति को बुलंद आवाज

हेमलता म्हस्के

विधवाओं की स्थिति में सुधार लाने के लिए अपने देश में पिछली सदी में सुधार के कई आंदोलन चले, जिसके कारण उनकी स्थिति में थोड़ा-बहुत सुधार भी हुआ लेकिन अब तो उनकी स्थिति में सुधार लाने की सभी कोशिशों पर पूरी तरह से रोक ही लग गई है। इक्कीसवीं सदी में बहुत से आविष्कार हुए। विज्ञान और टेक्नोलॉजी के कारण घर-परिवार और समाज के ताने-बाने में आमूलचूल बदलाव आए हैं लेकिन महिलाओं खासकर विधवाओं की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। समाज की ज्यादातर विधवाओं को हजारों वर्षों की पारंपरिक बेड़ियों से बांध कर बहिष्कृत जीवन जीने के लिए विवश किया जाता रहा है जबकि दूसरी ओर विधुर होने वाले पुरुषों पर विधवाओं की तरह किसी भी तरह की कोई पाबंदी नहीं होती। वे ऐसे सामान्य जीवन जीने के लिए स्वतंत्र होते हैं मानो उनके जीवन में पत्नी की मौत जैसा कोई हादसा ही न हुआ हो।

पुरुषों की उपस्थिति का हर जगह स्वागत किया जाता है लेकिन विधवाओं को अपनी औलादों के मांगलिक मौकों पर भी उपस्थिति को अशुभ करार दिया जाता है। यह सुखद सूचना है कि महाराष्ट्र में सैकड़ों वर्षों के बाद पिछले सालों से विधवाओं की स्थिति में सुधार लाने के कारगर प्रयास शुरू हुए हैं। पिछले सालमहाराष्ट्र सरकार ने कोल्हापुर जिले की हेरवाड़ पंचायत द्वारा विधवा प्रथा को खत्म करने के प्रस्ताव को पूरे प्रदेश में लागू करने का एक सर्कुलर जारी किया है। पिछले साल महिला दिवस पर कोल्हापुर की हेरवाड़ पंचायत में विधवा प्रथा को खत्म करने का प्रस्ताव रखा गया था, जो सर्वसम्मति से पारित हो गया। जिसके बाद पंचायत के ग्रामीणों ने तय किया कि अब गांव में किसी पुरुष की मृत्यु हो जाती है तो उसकी पत्नी को चूड़ियां तोड़ने और माथे से सिंदूर मिटाने, मंगलसूत्र निकालने जैसे काम के लिए विवश नहीं किया जाएगा। उसे पहले जैसा जीवन जीने का मौका दिया जाएगा।

गौरतलब है कि तेजी से आधुनिक होते समाज में आज भी विधवाएं अलग-अलग कुप्रथाओं और सामाजिक प्रतिबंधों के कारण कष्टमय जीवन जीने को अभिशप्त हैं। पति की मौत के बाद उसकी पत्नी को अमानवीय और कष्टदायक जीवन जीना पड़ता है। समाज उसे पहनने-ओढ़ने, साज-शृंगार से लेकर खानपान और पर्व त्योहार में शामिल होने से रोकता है। विधवाओं की इस स्थिति के पीछे समाज की वह रूढ़िवादी सोच जिम्मेवार है, जो उनके जीवन को जटिल बनाकर उन्हें समाज से कटा हुआ महसूस कराता है। विधवाओं पर लगाई जाने वाली ये पाबंदियां उनके स्वतंत्र जीवन एवं उनके अवसरों की समानता के अधिकार में बाधा खड़ी करती हैं। यह भारतीय संविधान में दिए गए समानता के अधिकारों का पूरी तरह से हनन ही है। संविधान को पूरी निष्ठा से मानने वाले पढ़े-लिखे लोग भी विधवाओं की विवशता पर खामोश ही रहते हैं। समाज की सेवा करने वाली संस्थाएं भी विधवाओं के जीवन में बदलाव लाने के बारे में सोचती तक नहीं।

हर साल महिला दिवस पर होने वाले आयोजनों में महिलाओं की अन्य समस्याओं पर जरूर जिक्र होता है लेकिन विधवाओं के बारे में कभी कोई चर्चा तक नही होती। पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं और विधवाओं की इच्छा-अनिच्छा पर कभी ध्यान नहीं दिया गया। उन्हें सदैव पुरुषों के बनाए रास्ते पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ा। पहले सती प्रथा के नाम पर विधवाओं के साथ बर्बरता की जाती थी। ऐसा मान लिया जाता था कि पति की मृत्यु के बाद विधवा स्त्री को जीने का कोई अधिकार नहीं है, लेकिन कानूनन इस कुप्रथा पर रोक लगी और फिर समाज ने भी इस कानून को अमल में लाया। सवाल है कि जब किसी स्त्री की मौत होने पर विधुर पति पर कोई नियम या पाबंदी लागू नहीं होती तब विधवा स्त्रियों पर इस तरह के प्रतिबंध लगाना कहां तक उचित है। समाज आज भी दकियानूसी और भेदभावपूर्ण सोच और मान्यताओं पर बेफिक्र होकर चल रहा है। किसी भी समाज में महिलाओं की बेहतर स्थिति ही उसके विकास को प्रदर्शित करती है। महिलाओं के साथ जुल्म और अत्याचार करने वाला समाज विकसित और सभ्य नहीं कहा जाता। संघ ने 23 जून, 2011 को विश्व विधवा दिवस घोषित किया ताकि पूरी दुनिया का ध्यान विधवाओं की दुर्दशा पर जाए और उनकी स्थिति में सुधार लाने की कोशिश शुरू हो।

यह दुखद है कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विश्व विधवा दिवस घोषित करने के बाद भी पिछले बारह सालों में अपने देश में कहीं भी विधवा दिवस पर एक भी आयोजन नही हुआ। विधवाओं को लेकर समाज और सरकार की यह उदासीनता दुखद और शर्मनाक है। यह सुखद है कि अब विधवा प्रथा की आड़ में महिलाओं की स्वतंत्रता के हनन के खिलाफ आवाजें बुलंद होने लगी हैं। उन्हें आम महिलाओं की तरह जीने का अधिकार की मांग को लेकर अभियान चलने लगे हैं। अब समय आ गया है कि हम विधवाओं की स्थिति में सुधार लाने के लिए व्यापक आंदोलन शुरू करें। महाराष्ट्र से शुरू हुए विधवा प्रथा विरोधी आंदोलन का दायरा बढ़ने लगा है। देशभर के सभी समाज विधवा प्रथा के उन्मूलन पर ध्यान आकर्षित करे, इसके लिए विश्व विधवा दिवस पर दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर 23 जून को गांधी शांति प्रतिष्ठान में पहली बार एक आयोजन किया जा सके।

गर्दन के पीछे निकल रहा कूबड़ तो करें ये योगासन

अधिकांश लोग स्मार्टफोन, कंप्यूटर और लैपटॉप का उपयोग बहुत अधिक अवधि तक करते हैं। इस कारण लोगों को कई तरह की शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ जाता है। गलत पोश्चर और दोषपूर्ण जीवनशैली के कारण अंग विन्यास विकृत हो जाता है, यानी बैठने की मुद्रा दोषपूर्ण हो जाती है। ऐसे में डेस्क वर्क करते समय अपनी रीढ़ की हड्डी की मुद्रा सही रखें। रीढ़ एकदम सीधी, चेस्ट थोड़ी फैली हुई, ठुड्डी ऊपर की ओर इशारा करते हुए, कंधे चौड़े और आराम मुद्रा में और पेट अंदर की ओर रखना चाहिए। हालांकि गलत पोस्चर से गर्दन या पीठ पर कूबड़ निकलने की समस्या हो सकती है। लंबे समय तक गलत स्थिति में बैठने की वजह से गर्दन पर काफी फैट जमा हो जाता है और नेक हंप यानी कूबड़ निकल सकता है। कूबड़ की समस्या से बचने के लिए सही पोस्चर में बैठें। साथ ही गर्दन के कूबड़ को ठीक करने के लिए योगासनों का अभ्यास भी कर सकते हैं।

शलभासन

कूबड़ से छुटकारा पाने के लिए शलभासन का अभ्यास भी फायदेमंद है। इस आसन को करने के लिए जमीन पर पेट के बल लेटकर हथेलियों को जांघों के नीचे रखें। सिर, गर्दन और मुंह को सीधा रखें। लंबी गहरी सांस लेते हुए दोनों पैरों को एक साथ ऊपर की ओर उठाने का प्रयास करें। इस मुद्रा में 10- 15 सेकेंड रखें। फिर पैरों को नीचे लाएं। अब श्वास छोड़ते हुए सामान्य स्थिति में आ जाएं। इस आसन को 3-5 बार दोहराएं। यह आपकी अपर बॉडी और कमर को मजबूत बनाने में मदद करता है। यह आसन रीढ़ के लिए एक अच्छी एक्सरसाइज है शलभासन जिसे आमतौर पर टिड्डी मुद्रा के रूप में जाना जाता है।

बालासन

यह शरीर को परम शांति प्रदान करने वाला आसन है। बालासन को शिशु आसन के नाम से भी जानते हैं। इस आसन को करने के लिए घुटने के बल बैठकर शरीर का भार एड़ियों पर डालें। गहरी सांस भरते हुए आगे की ओर झुकें, प्रयास करें कि जांघों से सीने को छुएं। अब माथे से फर्श को छूने का प्रयास करें। इस अवस्था में कुछ देर रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।

भुजंगासन

भुजंगासन, हठ योग का ही एक प्रकार है। सूर्य नमस्कार में किए जाने वाले, आसनों में से एक भुजंगासन भी होता है। भुजंग का संस्कृत भाषा में अर्थ, सांप होता है। गर्दन के कूबड़ को कम करने के लिए जमीन पर पेट के बल लेटकर कोहनियों को कमर से सटा के रखे और हथेलियां ऊपर की ओर रखें। सांस भरते हुए छाती को ऊपर की ओर उठाएं और पेट के भाग को धीरे धीरे ऊपर उठाएं। इस स्थिति में कुछ सेकेंड रुकें। अब सांस छोड़ते हुए पेट, छाती, और फिर सिर को धीरे धीरे जमीन की ओर नीचे ले जाएं। भुजंगासन, महिलाओं की मासिक धर्म में अनियमितता, अत्यधिक दर्द इत्यादि परेशानियों से भी राहत पहुंचाता है। गर्भाशय का स्वास्थय बढ़ता है और गर्भाशय पुष्ट होता है।

हंसना मना है

एक बुढ़िया का दामाद बहुत हीं काला था। सास- दामाद जी आप तो 1 महीना यहां रुको दूध, दही खाओ। मौज करो आराम से रहो यहां। दामाद - अरे वाह सासु मां आज बड़ा प्यार आ रहा है मुझ पे। सास- अरे प्यार व्यार कुछ नहीं कलमुहे? वो हमारी भैंस का बच्चा मर गया, कम से कम तुम्हें देख कर दूध तो देती रहेगी ।

एक आदमी रात को गली के सामने खड़ा था। वहां के चौकीदार ने देखा तो कड़क कर पूछा कौन हो तुम यहां क्या कर रहे हो? आदमी बोला, मेरा नाम शेर सिंह है। चौकीदार- बाप का नाम क्या है? आदमी - शमशेर सिंह। चौकीदार- कहां रहते हो? आदमी- शेरों वाले मोहल्ले में। चौकीदार- तो इतनी रात में यहां खड़े क्या कर रहे हो, जाओ अपने घर जाओ? आदमी- कैसे जाऊं, आगे कुत्ते भौंक रहे हैं।

शादी के पहले साल, पति- जानू संभलकर उधर गड्ढा है। दूसरे साल- अरे यार देख कर उधर गड्ढा है। तीसरे साल- दिखता नहीं, उधर गड्ढा है। चौथे साल- अंधी है क्या, गड्ढा नहीं दिखता? पांचवे साल- अरे उधर कहां मरने जा रही है, गड्ढा है इधर है।

कहानी | जोर देना बंद करो

एक बार एक मनोविज्ञान के शिक्षक क्लास में तनाव के सिद्धांत के बारे में पढ़ा रहे थे। फिर उन्होंने एक पानी का ग्लास उठाया। सबने सोचा की सर अब पूछेंगे की बताओ ग्लास कितना भरा है और कितना खाली है। पर उन्होंने पूछा बताओ इस पानी से भरे हुए ग्लास का वजन कितना होगा। वहां बैठे छात्रों ने 200 ग्राम से ले के 1/2 किलो तक बताया। मनोविज्ञान के शिक्षक ने जवाब दिया की मेरे हिसाब से इस ग्लास का वजन मायने नहीं रखता। यह बस इस बात पे निर्भर करता है की मैं इसे कितने समय तक पकडे रहता हु। अगर मै इसे 1 या 2 मिनट तक पकड़ता हुं तो इसका वजन हल्का होगा। वही अगर मैं इसे 1 घंटे तक पकड़ता हु तो इसका वजन भारी हो जायेगा जिसके वजह से मेरे हाथों में दर्द होने लगेगा। और अगर मैं इसे एक दिन तक पकड़े रहता हुं तो मेरे हाथों की नसे सुन्न होने लगेगी शायद हो सकता है मेरे हाथों को लकवा भी मार जाये। हर मामले में ग्लास का वजन बदला नहीं पर मैं इसे जितना ज्यादा देर पकड़ता हुं तो इस ग्लास का वजन उतना ही ज्यादा बढ़ता जाता है। उसी प्रकार आपके जीवन में भी तनाव और चिंता इस पानी के ग्लास के सामान है। उसके बारे में थोड़ा सोचे अगर कुछ ना हो तो थोड़ा और ज्यादा सोचो आपको दर्द होने लगेगा। और अगर आप दिन भर इसके बारे में सोचे तो आप खुद को लकवा ग्रस्त समझने लगेंगे।

कहानी से सीख - जिंदगी में फालतू के चिंता और तनाव को ले के सोचते रहेंगे तो अपना ही नुकसान होगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। कोई जरूरी काम आज टाइम से पूरा हो जाएगा। आज किसी जरूरतमंद की मदद करने में संकोच न करें।

वृषभ

आज आपको अपने शब्दों के चयन के प्रति अति सावधानी बरतनी चाहिए, इससे रिश्ते खराब हो सकते हैं। पारिवारिक एव व्यावसायिक में मनमुटाव हो सकता है।

मिथुन

आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। बिजनेस में आगे बढ़ने के कई नए मौके मिलेंगे। पढ़ाई में अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्यादा मीठा पकवान खाने से परहेज करें।

कर्क

स्वास्थ्य-मामलों को छोड़कर, आज का दिन भाग्यशाली है। आपकी मां और आपके बच्चों का स्वास्थ्य भी आपको कुछ परेशान कर सकता है।

सिंह

आज दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आज आप ऊर्जा से भरे रहेंगे जिससे आप वो सब कुछ हासिल कर सकते हैं जो आप चाहते हैं।

कन्या

आपको अपने गुप्त शत्रुओं द्वारा बनाई गई छोटी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारियों के साथ व्यवहार करते समय सावधान रहना चाहिए।

तुला

आज का दिन का सामान्य रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आज आपको कोई बड़ा फैसला आपको करना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

वृश्चिक

यह आपकी सोच को कुछ भ्रमित कर देगा और आप अनिश्चित, स्वच्छंद और जिद्दी हो सकते हैं। आप घुमावदार बीमारियों और विस्फोटों से पीड़ित हो सकते हैं।

धनु

आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। कारोबार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। आज आप जो भी करें, सकारात्मक होकर करें।

मकर

आप अपने आत्मविश्वास को फिर से हासिल करेंगे और पूरे समर्पण के साथ काम में जुटेंगे जो सकारात्मक विकास को जन्म देगा। आपको जीवनसाथी का पूरा साथ मिलेगा।

कुम्भ

आज आत्मविश्वास और उम्मीदों वाला दिन है। कुछ नए अनुभव की प्राप्ति होगी। अभी तक आपने जीवन के हर संभव क्षेत्र में जो भी करने की सोच रहे हैं थे वो पूरा हो जाएगा।

मीन

आपको विभिन्न स्तरों पर कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। आप भ्रम की स्थिति में होंगे और यह स्थिति आपको समय पर काम पूरा करने से रोक देगी।

बॉलीवुड | मन की बात

आदिपुरुष का बहिष्कार करने वालों को 'लक्ष्मण' ने दिया धन्यवाद

निर्देशक ओम राउत की फिल्म 'आदिपुरुष' रिलीज के बाद से ही विवादों में घिरा हुआ है। फिल्म के डायलॉग्स को लेकर घमासान मचा हुआ था। इसके बाद मेकर्स ने फिल्म के कई डायलॉग्स को बदल दिए है। हालांकि, निर्देशक की यह चालाकी भी कुछ काम नहीं आई। दर्शक अब भी फिल्म की आलोचना करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। अब इसी बीच रामानंद सागर के लक्ष्मण यानी की सुनील लहरी ने एक वीडियो साझा कर फैंस को धन्यवाद कहा है। तो चलिए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है। 'आदिपुरुष' फिल्म को लेकर एक तरफ तो जहां दर्शकों का गुस्सा निकल रहा है। वहीं, दूसरी तरफ रामानंद सागर की रामायण के सभी किरदारों का फिल्म को लेकर गुस्सा तो सातवें आसमान पर है। अभिनेता अरुण गोविल से लेकर सुनील लहरी तक ने फिल्म को बैन करने की मांग की थी। अब इसी बीच सुनील का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें अभिनेता ने लोगों को धन्यवाद कहा। रामानंद सागर की रामायण के लक्ष्मण ने हाल ही में, अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह सुनील कहते हैं, आप सभी देशवासियों का बहुत-बहुत धन्यवाद गलत को गलत कहने के लिए। यहां, मैं बात कर रहा हूं फिल्म 'आदिपुरुष' को लेकर। हमारी संस्कृति का मजाक उड़ाने के लिए एक जुट होकर आप सभी ने जो विरोध किया, उसकी मैं जितनी भी तारीफ करूं वो कम है। इसी तरह कई और मुद्दे हैं देश में, जिसके लिए हमें एकत्र होकर विरोध करना चाहिए। जय हिंद, जय भारत, जय राम जी।' इस वीडियो को शेयर करते हुए सुनील ने इसके कैप्शन में लिखा, आदिपुरुष फिल्म के द्वारा हमारी संस्कृति का अपमान करने पर एकत्र होकर बहिष्कार करने के लिए आप सभी का धन्यवाद। अभिनेता के इस वीडियो पर यूजर्स जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'हम आपके पूरे सपोर्ट में हैं सर।'

जल्द बड़े पर्दे पर पापा सैफ संग धमाल मचाने आ रहीं हैं सारा

सारा अली खान और सैफ अली खान दोनों ही बेहतरीन सितारे हैं। दोनों ने अपनी-अपनी फिल्मों में अभिनय का जबरदस्त हुनर दिखाया है। अब सैफ अली खान और सारा अली खान के फैंस के लिए काफी उत्साहित कर देने वाली खबर आ रही। पिता-पुत्री की यह जोड़ी एक प्रोजेक्ट के लिए के लिए साथ नजर आने वाली है। इसकी हाल ही में शूटिंग हुई है। हालांकि अभी तक इसका आधिकारिक रूप से खुलासा नहीं किया गया है।

बता दें कि सारा अली खान और सैफ की इस फिल्म की शूटिंग हाल ही में हुई है। इससे संबंधित एक फोटो भी सामने आई है, जिसमें सैफ अली कैदी के रूप में नजर आ रहे हैं वहीं सारा अली पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। इस फोटो को देखने के बाद फैंस की उत्सुकता बढ़ती जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि जब सैफ और सारा शूटिंग कर रहे थे तब इब्राहिम को भी फिल्मसिटी के आसपास देखा गया था, और अगर तीनों एकसाथ फिल्म में नजर आते हैं तो फैंस के लिए यह किसी ट्रीट से कम नहीं होगा।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सैफ अली खान की फिल्म आदिपुरुष हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म पर जमकर विवाद चल रहा है। फिल्म में सैफ अली खान के लुक को लेकर भी जमकर ट्रोलिंग की गई है। वहीं सारा की बात करें तो विक्की कौशल के साथ उनकी फिल्म जरा हटके जरा बचके रिलीज हुई है, जिसे दर्शकों का प्यार मिल रहा है। इस फिल्म में मिडिल क्लास परिवार की कहानी दिखाई गई है।

वरुण-जान्हवी की 'बवाल' ने रिलीज से पहले रचा इतिहास

भोजपुरी | मसाला

वरुण धवन और जाह्नवी कपूर अपनी आने वाली फिल्म बवाल को लेकर सुर्खियों में हैं। काफी समय से फिल्म को लेकर कुछ न कुछ अपडेट सामने आ रही थी। दोनों ने कई बार से तस्वीर भी साझा की है, जिसके बाद फैंस इनकी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वरुण धवन की इस का प्रीमियर काफी खास होने वाला है। फिल्म का प्रीमियर एफिल टावर पर होगा। यह ऐसा करने वाली पहली फिल्म होगी, जो इतिहास रचने जा रही है। यह भारतीय सिनेमा की ऐसी पहली बनने वाली है, जिसका प्रीमियर दुनिया की आइकॉनिक जगह हो रहा है। फिल्म का प्रीमियर 200 देशों में एक साथ किया जाएगा। वॉर पर बेस्ड है कहानी फिल्म के इस खास प्रीमियर में वरुण धवन, जान्हवी कपूर, साजिद नाडियाडवाला और नितेश के अलावा, फ्रेंच डेलिगेट्स भी शामिल होंगे। ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम होगी। फिल्म की कहानी वर्ल्ड वॉर 2 पर आधारित है। इसलिए इस फिल्म को विश्व स्तर पर लॉन्च किया जा रहा है। बवाल को डिजिटली सबसे बड़ी फिल्म माना जा रहा है, जिसका फैंस को बेसब्री से इंतजार है। वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की फिल्म बवाल के निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं। आखिरकार यह फिल्म जुलाई के आखिरी में रिलीज होने को पूरी तरह से तैयार है। बवाल अमेजन प्राइम पर रिलीज होने वाली है। फिल्म में वरुण धवन और जाह्नवी कपूर पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं।

अजब-गजब | जानिए इस रोचक तथ्य के पीछे का विज्ञान

क्या आप जानते हैं बीयर में डालते ही क्यों नाचते लगते हैं मूंगफली के दाने ?

दुनिया में कई रोचक तथ्य हैं, जिनके बारे में बहुत लोगों को जानकारी होती है। आज हम आपको एक ऐसे ही एक रोचक तथ्य के बारे में बताएंगे। बेहद कम लोगों को इस तथ्य के बारे में पता होगा। आपको जानकर हैरानी होगी कि बीयर में मूंगफली का दाना डालने पर नाचने लगता है। आप बीयर के भरे गिलास में मूंगफली का दाना डालते हैं, तो पहले वह नीचे जाएगा। इसके बाद वह बीयर की ऊपरी सतह पर आकर इधर-उधर भागने लगता है।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा क्यों होता है? वैज्ञानिकों ने इसकी वजह जानने की कोशिश की है। इसके पीछे एक खास तरह का विज्ञान काम करता है। यह बिल्कुल उसी तरह होता है, जिस तरह धरती के भीतर से मिनरल्स निकालते समय होता है। जर्मनी के वैज्ञानिकों ने एक शोध में जानने की कोशिश की है कि अगर बीयर में मूंगफली के दाने के नाचने की प्रक्रिया का पता चल जाए, तो धरती के भीतर से मिनरल्स निकालने और सतह के नीचे उबलते मैग्मा को समझने में कैसे मदद मिल सकती है?

जर्मनी के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि इस

शोध का कई तरह कई उद्योगों को फायदा मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में वैज्ञानिकों ने सबसे पहले इस पर शोध करने के बारे में सोचा।

ब्यूनस आयर्स में टेंडर बियर की गिलास में मूंगफली के दाने डालते थे, जिसके बाद वह उसमें गिरते ही नाचने लगती। सबसे पहले मूंगफली के दाने उसमें डूब जाते, लेकिन फिर ऊपर वापस आते और इधर-उधर भागने लगते हैं।

ब्राजील के शोधकर्ता लुई परेरा का कहना है ऐसा कार्बन डाइऑक्साइड के कारण होता है। उनका कहना है कि जब गिलास में बीयर को डालते हैं, तो उसमें कार्बन डाइऑक्साइड के बुलबुले बनने लगते हैं, जिनमें हवा का दबाव बेहद कम होता है। इसलिए बियर के गिलास में कार्बन डाइऑक्साइड के बुलबुलों की वजह से मूंगफली के दाने डालते ही ऊपर आ जाते हैं। इसके बाद उसके दबाव से इधर-उधर भागने लगते हैं। बियर के गिलास में से कार्बन डाइऑक्साइड के खत्म होने तक यह प्रक्रिया चलती रहती है।

लुई परेरा ने बताया कि इस प्रक्रिया को गहराई से समझने पर उद्योग जगत को भी फायदा मिल सकता है। उनका कहना है कि लौह अयस्क से लोहा को अलग करने की प्रक्रिया इसके मिलती जुलती है। लौह अयस्क के मिश्रण में एक नियंत्रित तरीके से हवा को छोड़ा जाता है। निर्माण होता है और ऊपर की तरफ उठने लगता है। इसकी वजह से मिश्रण में मौजूद लोहा ऊपर की तरफ आने लगता है और बाकी खनिज सतह पर बैठने लगते हैं।

हजारों साल पुरानी लाशें यहां पर हैं कैदी, देखकर इतिहासकार हैरान

दुनिया में कई ऐसे देश हैं, जो राजनीतिक अस्थिरिता की मार झेल रहे हैं। इसकी वजह से इन देशों की हालत बेहद खराब हो चुकी है। किसी भी देश में शांति और सम्पन्नता के लिए राजनीतिक स्थिरिता बेहद जरूरी है। उत्तरी पूर्व अफ्रीका में स्थित सूडान इन दिनों राजनीतिक अस्थिरता का सामना कर रहा है, जिसकी वजह से देश में उथल-पुथल मची हुई है। यहां के आम नागरिकों को सबसे अधिक मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। सूडान में हर दिन हमले हो रहे हैं। देश में काफी लंबे समय से लोग संकट का सामना कर रहे हैं। संघर्ष की वजह से मानवीय स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। दरअसल, सूडान में सशस्त्र बलों और रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच सशस्त्र संघर्ष जारी है। इस संघर्ष को करीब दो महीने से ज्यादा का समय हो चुका है। दोनों में कोई भी पक्ष निर्णायक मोड़ पर अभी तक नहीं पहुंच पाया है। सूडान में चल रहे संघर्ष की वजह से 20 लाख से अधिक लोगों को विस्थापित होना पड़ा है, जबकि सैकड़ों लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। हाल ही में देख गया था कि सेना ने कई रिहायशी इलाकों पर हमला किया। सूडान में सेना और पैरामिलिट्री रेपिड सपोर्ट फोर्स (अर्धसैनिक बलों) के बीच देश पर कब्जे के लिए संघर्ष चल रहा है। देश पर कब्जा करने के लिए अर्धसैनिक बल और सेना लगातार हमले कर रही है। रैपिड सपोर्ट फोर्स के सदस्यों ने सूडान में म्यूजियम से कई ममियों को चुरा लिए हैं, जिनकी उम्र कई हजार साल पुरानी है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ 2500 BC की हैं, यानी करीब 4522 साल पहले की। इन ममियों को बेहद सावधानी से देखरेख की जाती है, क्योंकि इनकी स्टडी के बाद उस दौर की कई जानकारियां मिलती हैं। म्यूजियम में बेहद सावधानी से इनको रखा जाता है। लेकिन सत्ता को लेकर चल रहे संघर्ष के बीच कुछ लोगों ने ममियों को कैद कर रख दिया है। इसके बाद से इतिहासकारों सांस अटकी हुई है। इन ममियों से कई जानकारियां मिल सकती है। अगर ममियों को ठीक से नहीं रखा गया, तो यह खराब होकर टूट सकती है। इसकी वजह से धरोहर का ही नुकसान होगा। सूडान में हालत बेहद खराब हो चुकी है। सेना प्रमुख जनरल अब्देल फतह अल बुरहान और रैपिड सपोर्ट फोर्स के प्रमुख जनरल मोहम्मद हमदान की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की वजह से हिंसक झड़प हो रही है। अब इस बीच आंदोलनकारियों ने नील नदी के किनारे बने म्यूजियम पर हमला कर दिया। यहां पर लूटपाट के दौरान आंदोलनकारियों ने ममियों को कैदी बना लिया। यह ममियां सिर्फ सूडान ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए बेहद खास हैं।

निचले स्तर की राजनीति कर रही भाजपा : कमलनाथ

बोले-मैने अगर भ्रष्टाचार किया तो कार्रवाई क्यों नहीं की, मध्यप्रदेश में पोस्टर पर तकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भोपाल में वांटेड और करप्टनाथ के पोस्टर लगाने पर पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने भाजपा पर को घेरा है। उन्होंने कहा कि मेरे 47 साल के राजनीतिक जीवन में अब तक किसी ने उंगली नहीं उठाई। यदि मेरे खिलाफ मामले है तो तीन साल से भाजपा सत्ता में है, अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। पीसीसी में पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि मेरे राजनैतिक जीवन में आज तक किसी ने उंगली नही उठाई।

हमारी सरकार रही है। यदि हमने कोई भ्रष्टाचार किया है तो तीन साल से भाजपा सत्ता में है। अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि भाजपा निचले स्तर की राजनीति कर रही है। इनको शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे भाजपा के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। भाजपा को मेरे खिलाफ कुछ बोलने को नहीं मिला तो इस तरह पोस्टर लगाने में लगे हैं। यदि भाजपा ने पोस्टर लगाए है तो खुलकर क्यों नहीं बोलते है कि हमने लगाए है। हम तो जनता के बीच जा रहे है। और भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर कर रहे है। उन्होंने कहा कि पंचायत से लेकर मंत्रालय तक भ्रष्टाचार चल रहा है। उनका नारा है पैसा दो काम कराओ।

शिवराज के खिलाफ लगे घोटाला राज के पोस्टर

भोपाल। मध्य प्रदेश में इसी साल के अंत में चुनाव है। इससे पहले प्रदेश में सियासी पारा भी चढ़ता जा रहा है। शुक्रवार सुबह कमलनाथ के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्टर लगने के बाद शाम को मुख्यमंत्री शिवराज के खिलाफ पांच नंबर बस स्टाप, बोर्ड ऑफिस, सतपुड़ा भवन, विशाल मेगा मार्ट के आसपास पोस्टर लगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ पोस्टर में लिखा गया कि 18 साल घपले और घोटालों की भरमार। पोस्टर में डंपर घोटाला, व्यापम महा घोटाला, पोषण आहार घोटाला, इटेंडरिंग घोटाला, कारम डैम घोटाला, कन्यादान घोटालों का जिक्र किया गया। इसमें सीएम की तस्वीर के साथ प्रदेश को घोटाला नंबर वन राज्य बताया गया।

सबको अपने कर्मों का हिसाब यहीं देकर जाना है : बबेले

इस पर पूर्व सीएम कमलनाथ के मीडिया सलाहकार पीयूष बबेले ने कहा कि सबको अपने कर्मों का हिसाब यहीं देकर जाना है। भाजपा ने सुबह षड्यंत्र पूर्वक कमलनाथ जी को अपमानित करने वाले पोस्टर लगवाए। मध्य प्रदेश की जनता ने ईट का जवाब पत्थर से देते हुए शिवराज जी की सच्चाई पूरे भोपाल में चस्पा कर दी। वल्लभ भवन, पांच नंबर, शौर्य स्मारक और ना जाने कहां कहां सत्य उद्घाटित करते पोस्टर लगा दिए गए।

धरने पर बैठे कांग्रेसी

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ के आपत्तिजनक पोस्टर लगाने के मामले में कांग्रेस नेता एफआईआर कराने थाने पहुंचे। शाहपुरा क्षेत्र में लगे पोस्टर को लेकर कांग्रेस नेता चुनाभट्टी थाने पहुंचे। जहां पुलिस ने उनको अलग-अलग थाने का मामला होने से क्राइम ब्रांच में शिकायत करने जाने के लिए कहा। इस पर कांग्रेसी नेता भड़क गए और थाने में ही नारेबाजी करने लगे। इसके बाद सभी नेता थाने में ही धरने पर बैठ गए।

पोस्टर से भाजपा को कोई लेना देना नहीं : विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल में लगे कमलनाथ के पोस्टर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भाजपा का कोई लेना देना नहीं है। यह कांग्रेस में अंतर्द्वंद्व है। कांग्रेस में जूतमपैजार, पुत्रों को आगे बढ़ाने की लड़ाई चल रही है। मिस्टर करप्टनाथ, कमलनाथ की सारी चरित्रावली भ्रष्टाचार की है। भारतीय जनता पार्टी का इससे क्या लेना देना। कांग्रेस में जगह जगह पर संघर्ष है। बेटों की लड़ाई है। बेटों की लड़ाई में अब उनको देखना चाहिए कि जो दूसरे युवा हैं कहीं उनका कमाल तो नहीं है। भारतीय जनता पार्टी सकारात्मक, विकास की राजनीति करती है। छल, कपट और धूर्तपन की राजनीति हम नहीं करते हैं। हम जो कहते हैं वो करते हैं।

आज रात से लुढ़केगा पारा

25 से 27 जून तक तेज बारिश का यलो अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में उमस के साथ गर्मी परेशान कर रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार शनिवार रात से शुरू होने वाली बारिश की गतिविधियां थोड़ी राहत देंगी। रविवार से मौसम करवट लेगा और तापमान में गिरावट होनी शुरू होगी। सप्ताह के अंत तक तापमान 34-35 डिग्री के बीच ही रहेगा।

वहीं, शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे तक दिल्ली में 0.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। दिल्ली में अभी हल्की बारिश की गतिविधियां हो रही है। इस कारण से उमस लोगों को परेशान कर रही है। तापमान अभी सामान्य से एक डिग्री नीचे ही चल रहा है। अब शुक्रवार रात से गर्मी और उमस से राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग ने पहले ही 25 से 27 जून तक तेज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया

हुआ है। इससे तापमान में गिरावट होनी शुरु होगी। दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार सुबह से बादलों व धूप की लुकाछिपी जारी रही। बादलों की वजह से धूप भी हल्की ही रही। लेकिन उमस परेशान करती रही। शुक्रवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 37.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स व नजफगढ़ में सबसे अधिक 38.8 और जाफरपुर इलाके में तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। ज्यादातर इलाकों में तापमान 37-38 डिग्री के बीच ही दर्ज हुआ।

यूपी में चार आईपीएस इधर से उधर

आशीष गुप्ता पुलिस महानिदेशक, रूल्स एंड मैन्युअल बने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में शुक्रवार को कई जिलों के पुलिस अधीक्षकों के तबादले के बाद चार और आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। आईपीएस आशीष गुप्ता को पुलिस महानिदेशक, रूल्स एंड मैन्युअल के पद पर नियुक्ति दी गई है। वह अभी प्रतीक्षारत थे।

आईपीएस तनुजा श्रीवास्तव को पुलिस महानिदेशक विशेष जांच के पद पर तैनाती दी गई है। इसी तरह आईपीएस पद्मजा चौहान को अपर पुलिस महानिदेशक, अग्निशमन एवं आपात सेवा के पद पर नियुक्ति दी गई है। आईपीएस राजीव मल्होत्रा को पुलिस उपमहानिरीक्षक स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज के पद पर भेजा गया है। इसके पहले चार

जिलों के पुलिस कप्तान समेत 11 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया। मुरादाबाद रेंज के डीआईजी शलभ माथुर को अलीगढ़ रेंज की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नोएडा पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस आयुक्त भारती सिंह को गाजियाबाद कमिश्नरेट में अपर पुलिस आयुक्त बनाया गया है। अलीगढ़ रेंज के डीआईजी आनंद राव कुलकर्णी को नोएडा पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस आयुक्त बनाया गया है। अयोध्या के एसएसपी मुनिराज जी. को मुरादाबाद रेंज का डीआईजी बनाया गया है। इसके अलावा बलिया के एसपी राजकरन नय्यर को अयोध्या का एसएसपी बनाया गया है। शाहजहांपुर के एसपी एस. आनंद को बलिया का एसपी बनाया गया है। प्रतीक्षारत चल रहे आशीष श्रीवास्तव को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त बनाया गया है।

गाजियाबाद में पुलिस उपायुक्त रवि कुमार को आगरा कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। फर्रुखाबाद (फतेहगढ़) के एसपी अशोक कुमार मीना को शाहजहांपुर का एसपी बनाया गया है। प्रतीक्षारत चल रहे शुभम पटेल को गाजियाबाद कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। आगरा में पुलिस उपायुक्त विकास कुमार को फर्रुखाबाद का एसपी बनाया गया है।

टेस्ट टीम से बाहर हुए पुजारा

भारत के लिए सिर्फ टेस्ट मैच खेलते हैं चेतेश्वर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा हो गई है। इसमें सबसे ज्यादा चर्चा चेतेश्वर पुजारा को टीम में जगह नहीं मिलने पर है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यशस्वी जयसवाल नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते नजर आ सकते हैं, जहां पिछले दशक से पुजारा का कब्जा था।

वहीं रितुरात गायकवाड़ को भी मौका दिया गया है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली इस टीम में और कोई बड़े बदलाव देखने को नहीं मिले हैं। चेतेश्वर पुजारा भारत के लिए सिर्फ टेस्ट मैच खेलते हैं। उन्हें पिछले साल की शुरुआत में भी टीम से ड्रॉप किया गया था। लेकिन काउंटी में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद टीम में वापसी हो गई।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम का ऐलान, यशस्वी व रितुराज टीम में

इस बार काउंटी में पुजारा रन बना रहे थे। लेकिन वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में 14 और 27 रनों की पारी ही खेल पाए।

हालांकि रोहित शर्मा, शुभमन गिल और विराट कोहली के बल्ले से भी रन नहीं निकले थे। लेकिन वे टीम में बने हुए हैं।

सुनील गावस्कर ने जताई नाराजगी

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर को लगता है कि यह चयनकर्ताओं को बड़े नामों को आराम देकर युवा खिलाड़ियों को जगह देने का मौका था। वहीं पुजारा को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में बल्लेबाजों के प्रदर्शन प्रदर्शन के बाद बलि का बकरबनना पड़ा है। सुनील गावस्कर ने स्पोर्ट्स टुडे से कहा- उन्हें हमारी बल्लेबाजी के फेल होने पर बलि का बकरा क्यों बनाया गया है? वह भारतीय क्रिकेट के वफादार सेवक, शांत और सक्षम व्यक्ति रहे हैं। लेकिन क्योंकि उसके किसी भी मंच पर लाखों में फॉलोअर्स नहीं हैं जो बाहर होने पर शोर मचा सकें, तो आप उसे हटा देते हैं? यह समझ से परे की बात है।

मैनपुरी के गोकुलपुरा में सामूहिक हत्याकांड

घर में सो रहे पांच लोगों की हत्या, यूपी की कानून-व्यवस्था पर उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। यूपी में कानून व्यवस्था को दुरुस्त बताने का राग अलापने वाली योगी सरकार के राज में प्रदेश में अपराधों के बढ़ने का सिलसिला जारी है। कभी पुलिस अभिरक्षा में तो कभी कचहरी में तो कभी सड़क पर दिनदहाड़े हत्याएं होनें का क्रम जारी है। पर पुलिस व सरकार पर कोई फर्क नही पड़ता है।

दूल्हा-दुल्हन भी बने शिकार, आरोपी ने खुद को गोली मारकर दी जान

ताजा मामला में उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां घर में सो रहे पांच लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपी ने खुद भी आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है। जानकारी के अनुसार, मैनपुरी के किशनी थाना इलाके का गांव गोकुलपुरा अरसारा में शनिवार की सुबह एक परिवार में पांच लोगों के सामूहिक हत्याकांड से इलाका दहल गया।

सूचना मिलने के बाद आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पता चला की गांव का रहने वाले शिवबीर सिंह ने अपने दो भाई, पत्नी, बहनोई, भाई की नवविवाहित पत्नी और दोस्त की बंके से काटकर हत्या कर दी है। खुद भी गोली मारकर खुदकुशी कर ली है। तीन घायल लोगों को अस्पताल भेजा गया। मौके पर कई थानों की फोर्स पहुंची है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। हत्याकांड को क्यों अंजाम दिया गया, इसके कारण की पुलिस जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, गांव गोकुलपुर अरसारा निवासी सुभाष चंद्र यादव के तीन पुत्र शिवबीर, सोनू और भुल्लन थे। शुक्रवार को मझले पुत्र सोनू (20) की बरात इटावा के थाना चौबिया क्षेत्र के गांव गंगापुर से लौट कर आई थी। हत्याकांड की सूचना मिलने के बाद एसपी विनोद कुमार और कई थानों की फोर्स गांव पहुंची। दो घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाए गए हैं। हत्याकांड क्यों अंजाम दिया गया, इसकी वजह अभी पता नहीं लग सकी है। पुलिस कारण जानने का प्रयास कर रही है।

नशे की गोली मिलाकर सभी को कोल्डड्रिंक पिलाई

घर में नई बहू सोनी (20) के आने से खुशियों का माहौल था। शुक्रवार की देर रात एक बजे तक सभी लोग डीजे बजा कर नाच गा रहे थे। रात में शिवबीर ने कोल्ड ड्रिंक में कोई नशे की गोली मिलाकर सभी को पिला दी। सभी के बेहोश होने के बाद शिवबीर ने बंके से आंगन में सो रहे भाई भुल्लन (20), बहनोई सौरभ निवासी चांदा हविलिया (26), भाई के दोस्त दीपक (20) फिरोजाबाद की हत्या कर दी।

दुल्हन को भी बांके से काट डाला

इसके बाद छत पर सो रहे सोनू (22) और नवविवाहिता सोनी की बंके से गला काटकर हत्या कर दी। हमले में पिता सुभाष, आरोपी की पत्नी और मामी गंभीर रूप से घायल हैं। पांच हत्याएं करने के बाद शिवबीर ने घर से कुछ दूर जाकर खुद भी गोली मारकर खुदकुशी कर ली।

रूस में पुतिन के खिलाफ बगावत

कई सैन्य ठिकानों पर वैगनर ग्रुप का कब्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मॉस्को। वैगनर ग्रुप चीफ येवगेनी प्रिगोझिन के बगावत के एलान के बाद रूस में रूसी सेना और वैगनर ग्रुप के लड़ाकों में लड़ाई शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि वैगनर ग्रप के लड़ाके रोस्तोव शहर में दाखिल हो गए हैं।

येवगेनी प्रिगोझिन ने रूस के रक्षा मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए हैं और रूसी सेना के मुख्यालय पर हमले का एलान किया। जिसके बाद रूसी सेना के मुख्यालय की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

पुतिन ने दी चेतावनी

वैगनर ग्रुप की बगावत और कई शहरों में सैन्य ठिकानों पर कब्जे की खबरों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर राष्ट्र के नाम संबोधन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैगनर ने बुरे वक्त में रूस के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि रूस अपने भविष्य के लिए पूरी ताकत से लड़ रहा है। हमारा जवाब और कठोर होगा। इस बीच रूस ने भी पूरे देश में सुरक्षा बढ़ा दी है और वैगनर ग्रुप के लड़ाकों को प्रस्ताव दिया है कि जो भी सैनिकों के खिलाफ नहीं लड़ेगा, उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

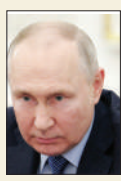

सुरक्षा में चूक! एयर शो के दौरान रनवे पर आया कुत्ता

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर उतरे सेना के लड़ाकू विमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे की हवाई पट्टी पर शनिवार को वायुसेना के लड़ाकू विमान उड़ान भरते नजर आए। इस दौरान लोगों ने लड़ाकू विमान के नजारे का लुत्फ उठाया। अभ्यास के दौरान थोड़ी मुश्किल भी आई जब एक कुत्ता एक्सप्रेस वे पर आ गया। इससे वहां मौजूद अफसरों के हाथ पांव फूल गए। कुछ ही देर में जवानों ने कुत्ते को रनवे से भगाया।

यह आपातकालीन अभ्यास है। जिसके तहत भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान एक्सप्रेसवे पर उतरे। इस अभ्यास में लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर सहित विभिन्न प्रकार के विमानों ने हिस्सा लिया। चार घंटे तक एयर शो चलेगा। इसके तुरंत बाद केएफ 118 विमान उतरा। इस दौरान अफसर भी विमानों के साथ फोटो लेने के लिए उत्साहित नजर आए। इस दौरान सेना के अफसर, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक के साथ सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष आरए वर्मा, पल्लवी वर्मा और यूपीडा के अफसर एयर स्ट्रिप पर मौजूद रहे।

लखनऊ में शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग

» बादशाह नगर रेलवे स्टेशन के पास हुआ हादसा, बिल्डिंग में फंसे लोग निकाले गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में बादशाह नगर स्टेशन के पास शनिवार को भीषण आग लग गई। यह आग एक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में लगी थी। इमारत में फंसे लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं हैं। आग बुझाने की कवायद जारी है। चूंकि इमारत में इमरजेंसी एग्जिट नहीं था इसलिए लोगों को बाहर निकालने में काफी समस्या आई।

थाना महानगर एसएचओ ने बताया कि कॉम्प्लेक्स के फर्स्ट फ्लोर पर शॉर्ट सर्किट से लाग लग गई है। उन्होंने बताया कि इस बिल्डिंग में कई दफ्तर और दुकानें मौजूद हैं। पुलिस के मुताबिक, नीचे तल पर कॉम्प्लेक्स का इलेक्ट्रिक रूम था उसी में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई है। फिलहाल आग काबू में है फायरब्रिगेड की टीम आग बुझाने का काम कर रही है। पुलिस की मानें तो माल का नुकसान हो सकता है लेकिन किसी की जान का कोई खतरा नहीं है।

फोटो: सुमित कुमार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।